ont>

Title: Need to formulate a forest policy- Laid.

श्री भेरूलाल मीणा (सलूम्बर): अध्यक्ष महोदय, हमारे देश की वन नीति मेरे ज्ञान से बिल्कुल गलत है। वनों की सुरक्षा के नाम से अरबों रूपया खर्च किया जा रहा है, किंतु उसके एवज में वन बढ़ने के बजाये घटे हैं और घटते ही जा रहे हैं। वन नट होने के कारण पर्यावरण बिगड़ रहा है, जिसके कारण कई प्रकार की बीमारियां फैल रही हैं। वन सुरक्षा के लिए कोट दीवार का निर्माण किया जाता है, हर बार वृक्ष लगाये जाते हैं, पांच वर्ा तक रखवाली भी की जाती है लेकिन उसके बाद इसे खुला छोड़ दिया जाता है, जिस कारण लोग एवं मवेशियां पांच साल में जो पेड़ उगे हुए होते हैं, उनको काट देते हैं या नट कर देते हैं। फिर पांच साल के लिए यह प्रक्रिया पुनः शुरू होती है और फिर पांच साल के बाद खुला छोड़ दिया जाता है, जिससे न तो वनों की रक्षा होती है और न ही पर्यावरण एवं प्रदूाण रूकता है और सरकार के धन की बरबादी होती है। मेरा सुझाव ही नहीं सरकार से मांग है कि जहां वृक्ष लगाये जायें वहां हमेशा के लिए वनों की सुरक्षा की जानी चाहिए तथा स्थानीय ग्रामीण लोगों का सहयोग लेकर उन्हें हिदायत दी जानी चाहिए कि इन वनों की सुरक्षा उन्होंने करनी है और वे अपनी जिम्मेदारी पूरी तरह समझें। यदि हम वनों की सुरक्षा करेंगे तो इसस वर्ा अच्छी होगी, जमीन का जलस्तर उठेगा, पर्यावरण संतुलन बना रहेगा। इसके लिए ग्रामीण समितियों का निर्माण किया गया, किंतु वे नाम मात्र की है।

मेरी सरकार से मांग है कि वनों की सुरक्षा हेतु एक ऐसी स्थायी वन नीति बनायी जाये ताकि वन एवं पर्यावरण सुरक्षित रह सकें।